की जो गतिविधि चलती हैं, वह कोई ऐसा नहीं हैं कि कोई पाकिस्तानी ही यहां आकर करते हैं,वह तो खोजते हैं कि हमारा कौन एजेंट बन सकता हैं, किसको हम अपना एजेंट बना सकते हैं । इसलिए मदरसों के बारे में जो बात कही, इसी संदर्भ में आई । मुझे जम्मू-कश्मीर के लोगों ने भी यही बात कही, जो मुझे जम्मू-कश्मीर के लोगों ने भी यही बात कही, जो मुझे गुजरात में कही गई या राजस्थान में कही गई । उसी संदर्भ में उसका उल्लेख हुआ, किसी और संदर्भ में, मैं समझता हूं, अगर कोई करता हैं तो गलत करता है और मैं समझता हूं कि देश की अधिकांश जनता हिन्दू मुसलमान, देश के प्रति निष्ठा रखती हैं और देश की सुरक्षा के लिए वह भी उतनी ही चिंतित हैं, जितनी भारत सरकार हैं । इतना ही मुझे कहना हैं ।

SHRI ADHIK SHIRODKAR: Mr. Chairman, Sir, recently there was an exhibition in Delhi and Mumbai of arms seized from ISI activities. They were highly successful. May I know from the hon. Minister whether the Government would consider bringing out a small documentary to show the same both in cinema theatres as well as on T.V. to acquaint the common man with the ISI activities and the manner in which the sophisticated methods of communication, destruction, etc., are used?

SHRI L.K. ADVANI: Mr. Chairman, Sir, this is not a question. This is a suggestion for action. I will certainly keep it in mind.

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

Death of Official in the Ministry of Mines

*141. SHRI RAHASBIHARI BARIK: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether any progress has been made in the investigation of the circum stances which led to the death of Shri M.C. Mahapatra, Joint Secretary in the Ministry of Mines on September 27, 1997;

(b) if so, the details thereof; and

(c) if not; the time by which the investigation is likely to be- completed?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI L.K. ADVANI): (a) to (c) Shri M.C. Mahapatra, posted as Joint Secretary in the Department of Mines, died on 27th September, 1997 after he had "fallen down" from Shastri Bhavan building. Delhi Police registered the case and took up the investigation. However, a request was received from two former Members of Parliament for transfer of investigation of the case to the Central Bureau of Investigation (CBI). A similar request was also made by Shri Mahapat-ra's wife and the investigation of the case was ordered to be transferred to the Central Bureau of Investigation (CBI) in November, 1997.

The investigation team, of the CBI has so far examined 80 witnesses and the investigation is expected to be completed shortly.

मध्य प्रदेश के लिए परियोजनाओं को स्वीकृति दिया जाना

*143. **श्री दिलीप सिंह जूदेव :** क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आगामी वर्षो के लिए सरकार के विचाराधीन योजनाओ/परियोजनाओं का ब्यौरा क्या हैं,

(ख) क्या सरकार ने उक्त परियोजनाओं के वित्त-पोषण हेतु भारतीय वित्तीय संस्थाओं द्वारा प्रस्तुत आवेदनों/प्रस्तावो को स्वीकृति दे दी हैं,

(ग) क्या सरकार ने इन परियोजनाओं में से कुछ परियोजनाओं को मध्य प्रदेश में स्थापित करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी हैं,

(घ) यदि हां, तो प्रत्येक परियोजना की लागत तथा क्षमता सहित ब्यौरा क्या हैं,

(ड़) इन संस्थानों द्वारा मध्य प्रदेश मैं परियोजना के वित्त-पोषण हेतु अनुमोदित प्रस्तावों का ब्यौरा क्या हैं, और

(च) चयनित स्थलों पर इन परियोजनाओं का कार्य कब तक प्रारम्भ किया जाएगा ?